और सांप निकल के भागा!

मौली कॉक्स

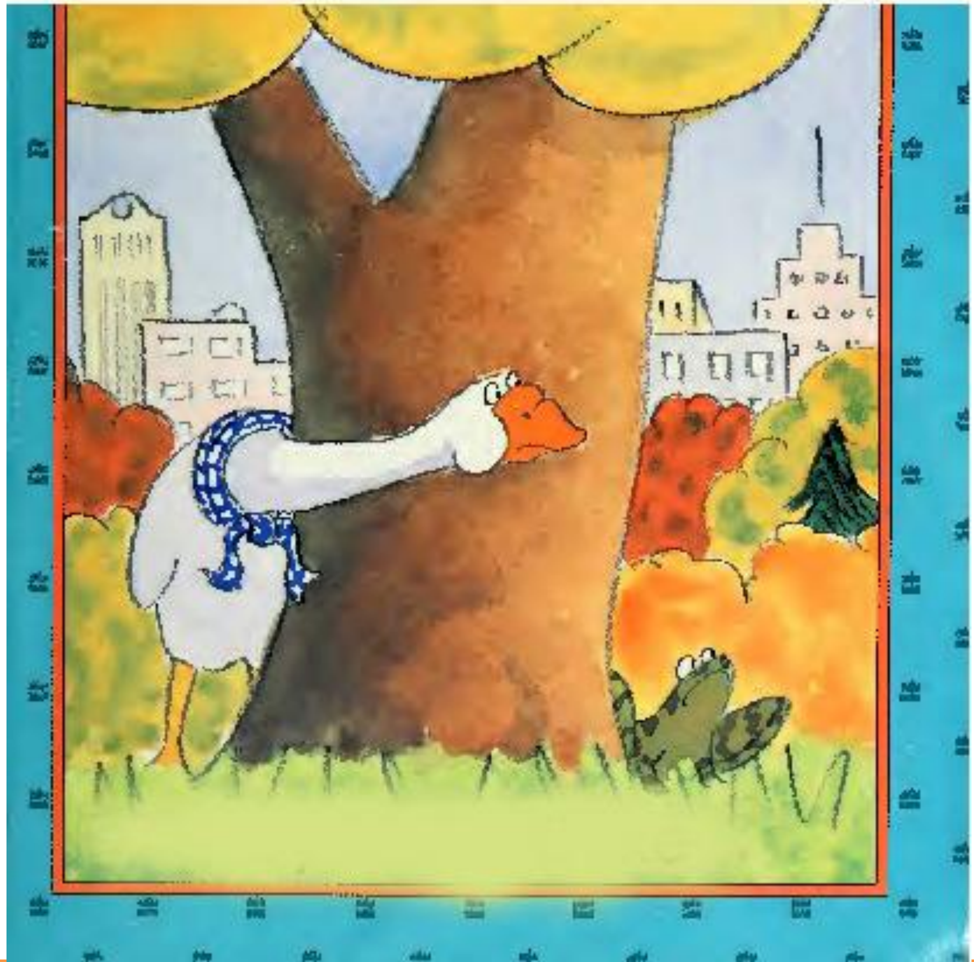

और सांप निकल के भागा!

मौली कॉक्स

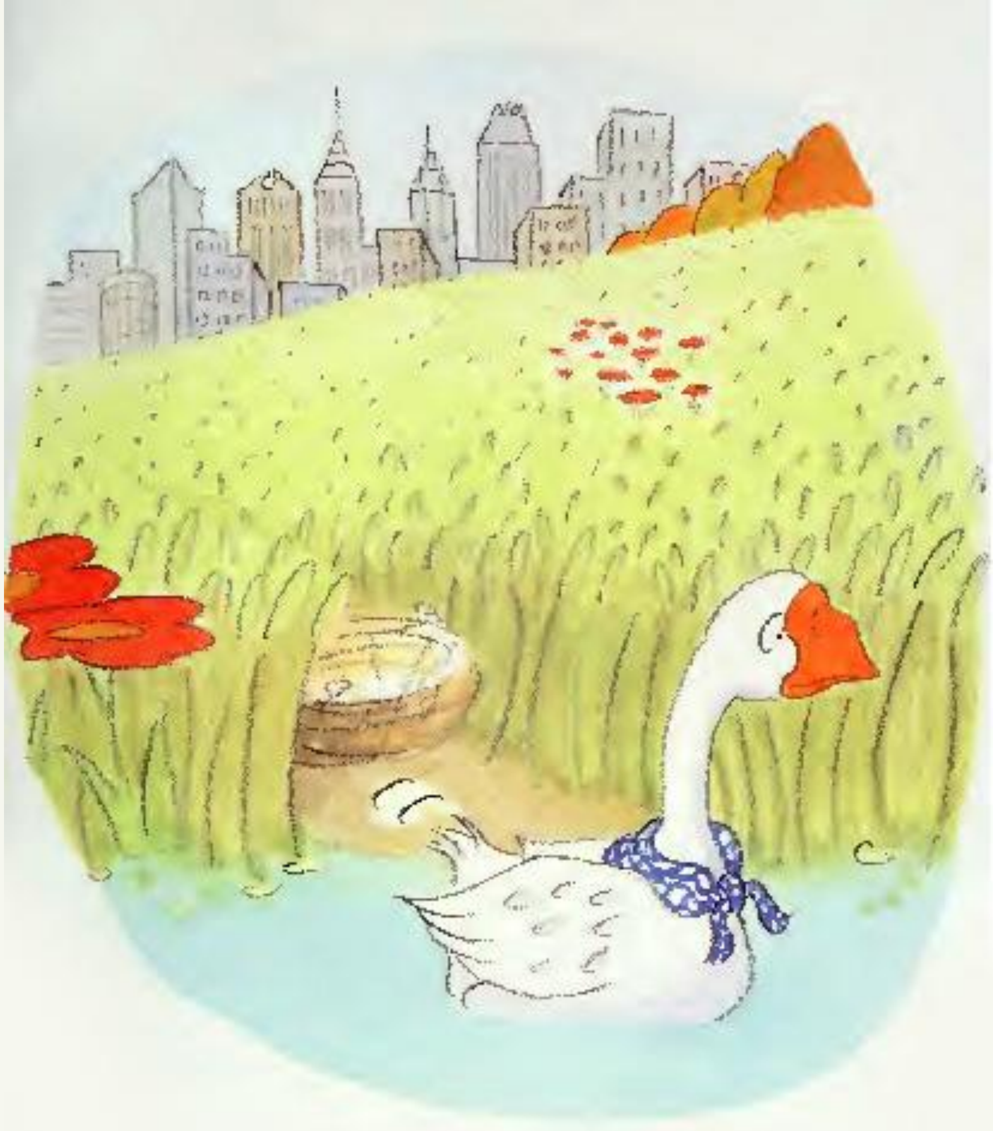

एक सुबह मिराबेल अपनी सहेली मैक्सी से मिलने गई.

रास्ते में मिराबेल ने एक अखबार का एक पन्ना देखा.

उसमें लिखा था:

कल पार्क चिड़ियाघर से एक सांप निकलकर भागा है.

"अरे बाप रे!" मिराबेल ने कहा. "मुझे सांपों से डर लगता है."

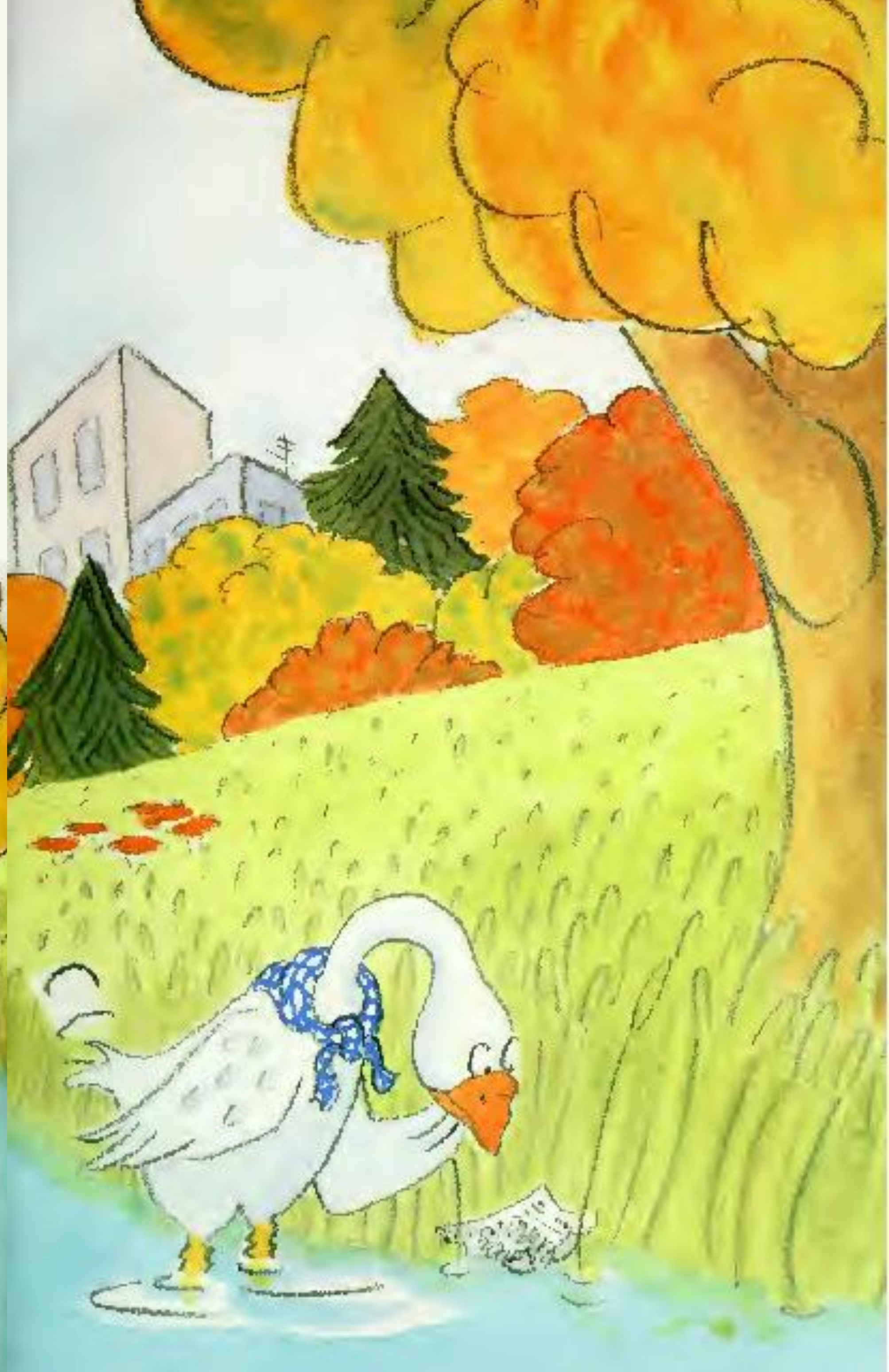

मिराबेल मैक्सी के घर की ओर दौड़ी.

"मैक्सी!" वो चिल्लाई.

"चिड़ियाघर से एक सांप निकलकर भागा है!"

"कैसा सांप?" मैक्सी से पूछा.

"मुझे नहीं पता," मिराबेल ने कहा.

"शायद यह वो सांप हो, जो बत्तख खाता हो."

"या फिर मेंढक!" मैक्सी ने कहा.

अब मैक्सी भी डर गई.

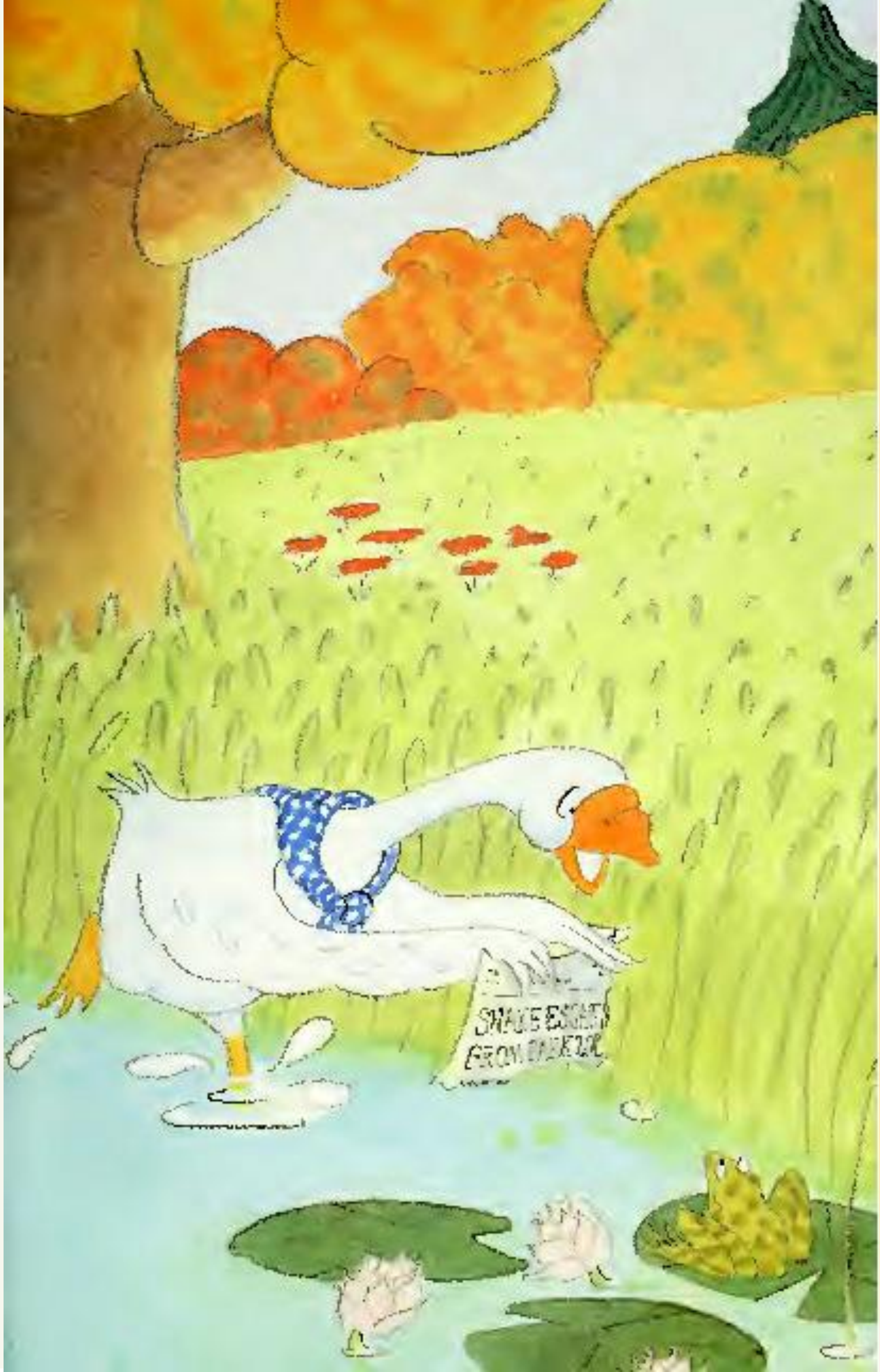

मैक्सी तुरंत अपने कमल के पत्ते से कूदी.

"मैक्सी, तुम कहाँ जा रही हो?" मिराबेल ने पूछा.

"मैं वो अखबार खोजने जा रही हूँ," मैक्सी ने कहा,

"तब हम पता लगा पाएंगे कि वो किस तरह का सांप है. तुम भी मेरे साथ चलो!"

मिराबेल और मैक्सी ने एक आदमी को अखबार पढ़ते हुए देखा.

हेडलाइन्स पर लिखा था:

ब्लू टीम जीती

गोमेज़ ने दो गोल मारे

"यह खबर हमारे मतलब की नहीं है," मैक्सी ने कहा.

फिर आदमी ने अखबार का पन्ना पलटा.

हेडलाइन्स पर लिखा था:

पार्क चिड़ियाघर से एक सांप निकलकर भागा

"बस इतना ही!" मिराबेल ने कहा.

मिराबेल और मैक्सी ने पढ़ा:

"कल रात भोजन के समय, एक किंग कोबरा पार्क चिड़ियाघर से भाग निकला. किंग कोबरा एक लंबा, हरा और काले रंग का धारीदार सांप होता है जो खाता है..."

तभी वो आदमी खड़ा हुआ और उसने अखबार को कूड़ेदान में फेंक दिया.

"धत्त!" मिराबेल ने कहा.

"हमें अभी- अभी पता चलने वाला ही था कि किंग कोबरा क्या खाता है!"

"हम अभी भी वो पता कर सकते हैं," मैक्सी ने कहा.

"तुम मुझे ऊपर उठाकर कूड़ेदान में डाल दो और मैं वहां अखबार को पकड़ लूंगा."

"ठीक है," मिराबेल ने कहा.

"अच्छा चलो."

मिराबेल ने मैक्सी की टांगों को पकड़ा और उसे उठाया.

"क्या तुम अखबार पकड़ सकते हो?" मिराबेल से पूछा.

"अभी नहीं," मैक्सी ने कहा.

फिर मिराबेल ने मैक्सी के पैर पकड़कर उसे लटकाया.

"क्या तुम अब उस तक पहुँच सकते हो?" मिराबेल ने पूछा.

"अभी नहीं!" मैक्सी ने कहा.

अचानक मिराबेल ने अपनी पकड़ खो दी.
एक दुर्घटना हुई और मैक्सी कूड़ेदान में गिर गई!

"मैक्सी!" मिराबेल चिल्लाई.

"क्यों? तुम ठीक हो?" मैक्सी ने अपने हाथ-पैर हिलाए.

"हाँ, मैं ठीक हूँ," मैक्सी ने कहा.

"अरे मैक्सी, मुझे बड़ा दुःख है," मिराबेल ने कहा.

"ठीक है," मैक्सी ने कहा.

"अब मुझे अखबार मिल गया है. अब हम पता लगा सकते हैं कि सांप क्या खाता है."

मैक्सी ने ज़ोर से पढ़ा:

''पिछली रात भोजन के समय एक किंग कोबरा पार्क के चिड़ियाघर से भाग निकला. किंग कोबरा एक लंबा, हरा और काला धारीदार सांप होता है जो दूसरे सांपों और छिपकलियों को खाता है."

"हम सांप या छिपकली नहीं हैं!" मिराबेल ने कहा.

"यह भगवान का बड़ा शुक्र है," मैक्सी ने कहा.

"अब चलो घर चलते हैं और ठंडे ताल में तैरते हैं."

मैक्सी ने कूड़ेदान से बाहर निकलने की कोशिश की.

"अरे नहीं!" उसने कहा.

"यह कूड़ेदान बहुत अधिक ऊंचा है. मैं उससे बाहर नहीं निकल सकती!"

"चिंता मत करो," मिराबेल ने कहा.

"मैं तुम्हें बाहर निकाल दूंगी. मैं कूड़ेदान को एक ओर धकेल दूंगी."

मिराबेल ने धक्का दिया,

लेकिन वो कूड़ेदान को पलट नहीं पाई.

"अब तुम क्या करोगे?" मैक्सी से पूछा.

"मुझे पता है," मिराबेल ने कहा.

"मैं तुम्हें बाहर निकालने के लिए एक छड़ी खोजूंगी. फिर मैं तुम्हें ऊपर खींच लूंगी."

"जल्दी करो!" मैक्सी ने कहा.

मिराबेल को एक छड़ी मिली और उसने उसे कूड़ेदान में डाला.

"क्या तुम उस तक पहुँच सकती हो?" मिराबेल ने पूछा.

"नहीं," मैक्सी ने कहा.

"वो छड़ी बहुत छोटी है!"

"धत्त!" मिराबेल ने कहा.

"मैं एक लंबी छड़ी खोजने की कोशिश करूंगी."

मीराबेल ने इधर-उधर देखा.

"मुझे कहीं भी एक लंबी छड़ी नहीं मिल रही है!" उसने कहा.

"अब मै क्या करूंगी?" मैक्सी रोई.

"मैं यहाँ से अब कभी भी बाहर नहीं निकल पाऊंगी!"

"ज़रा ठहरो!" मिराबेल ने कहा.

"मुझे पता है कि हम क्या उपयोग कर सकते हैं.

मेरे घोंसले में एक डोर है. मैं उसे अभी लेकर आती हूँ."

बीप! बीप!

"वो क्या है?" मैक्सी ने पूछा.

"वो कचरा ट्रक का है!" मिराबेल ने कहा.

"वो कचरा उठाने के लिए आ रहा है!"

"झट से जाओ!" मैक्सी ने कहा. "और डोर लेकर आओ!"

मिराबेल दौड़कर अपने घोंसले में गई.

"अरे नहीं!" वो चिल्लाई.

"वो डोर बहुत छोटी है. मुझे लंबी डोर चाहिए!"

"मैं काफी लंबा हूँ." तभी एक आवाज ने कहा.

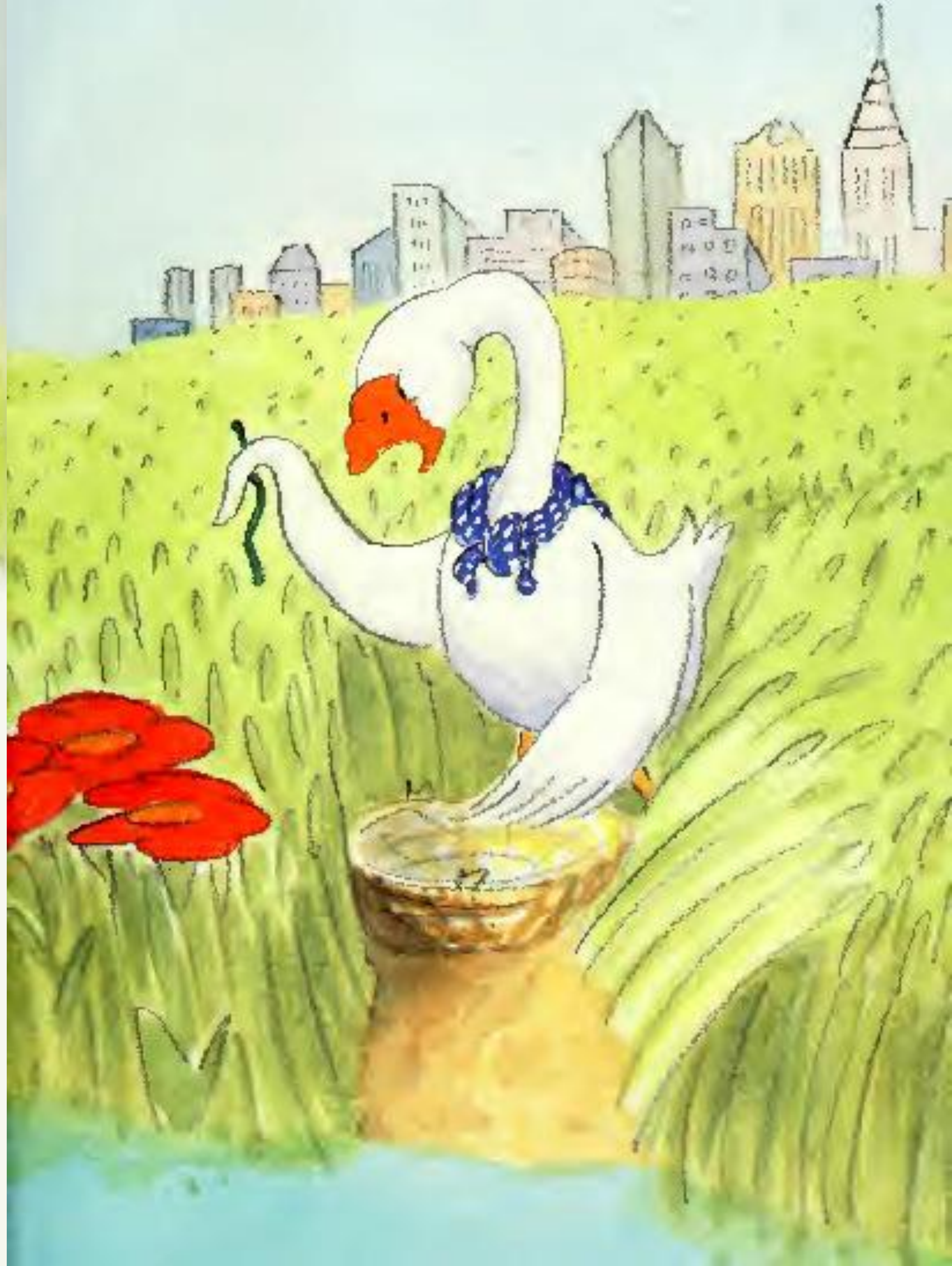

"वो किसने कहा?" मिराबेल ने पूछा.

"वो मैंने कहा," सांप ने कहा.

उस सांप के शरीर पर हरी और काली धारियाँ थीं.

"डरो मत," साँप ने कहा, "मैं तुम्हें चोट नहीं पहुँचाऊँगा."

"मुझे पता है कि तुम वैसा नहीं करोगे," मिराबेल ने कहा.

"तुम किंग कोबरा हो. मेरी दोस्त मैक्सी ने तुम्हारे बारे में अखबार में पढ़ा है. लेकिन अब मैक्सी पहाड़ी पर कूड़ेदान में फंस गई है, और कचरा ट्रक आ रहा है!"

सांप इधर-उधर भागने लगा.

"तुम कहाँ जा रहे हो?" मिराबेल ने उससे पूछा.

"मैं तुम्हारी दोस्त मैक्सी की मदद करने जा रहा हूं," सांप ने कहा. "तुम भी मेरे साथ चलो!"

मिराबेल और किंग कोबरा जल्दी से पहाड़ी पर चढ़े.

तभी कचरा ट्रक कूड़ेदान के सामने आकर रुका.

उसमें से एक आदमी निकला.

"मेरी मदद करो!" मैक्सी चिल्लाई.

"तुम चिंता मत करो," मिराबेल ने कहा.

"किंग कोबरा तुम्हें बचाएगा!"

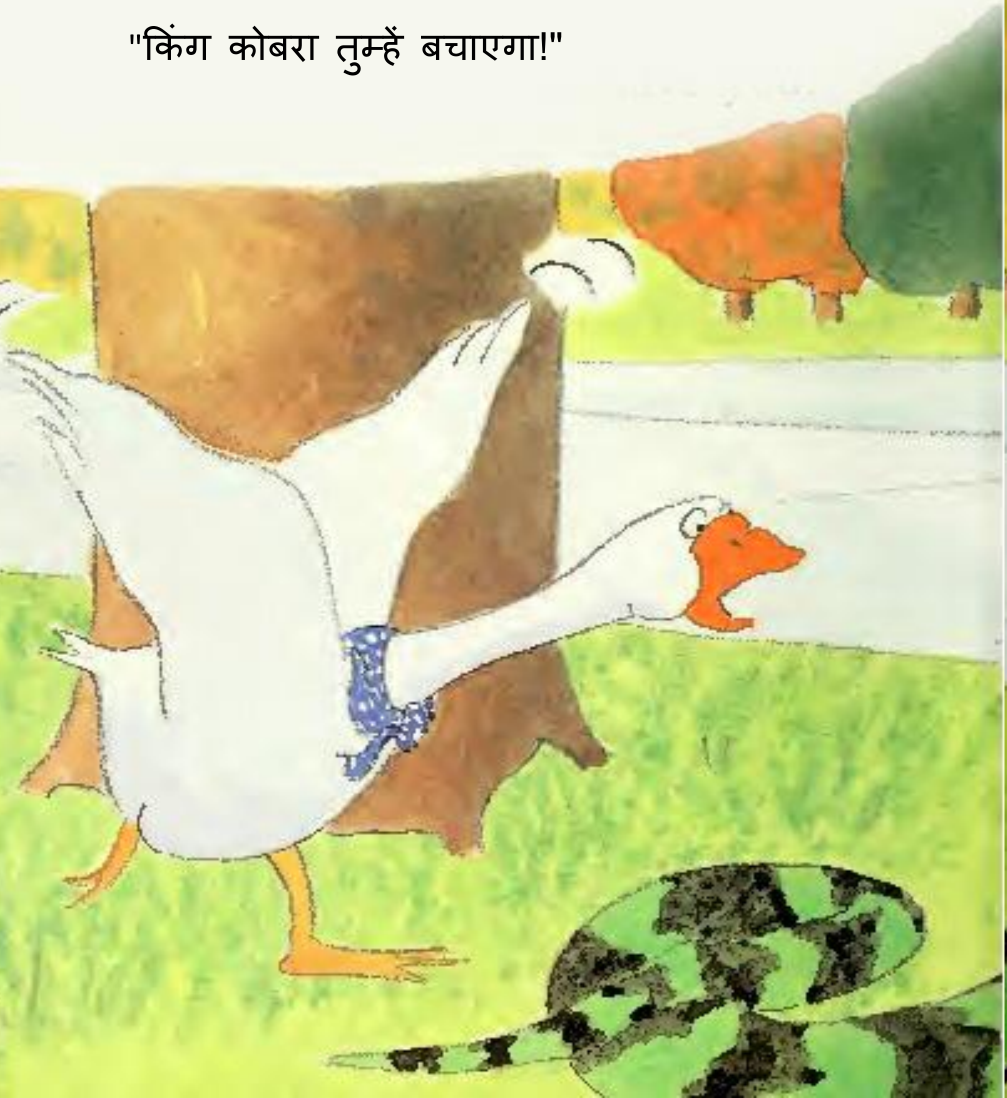

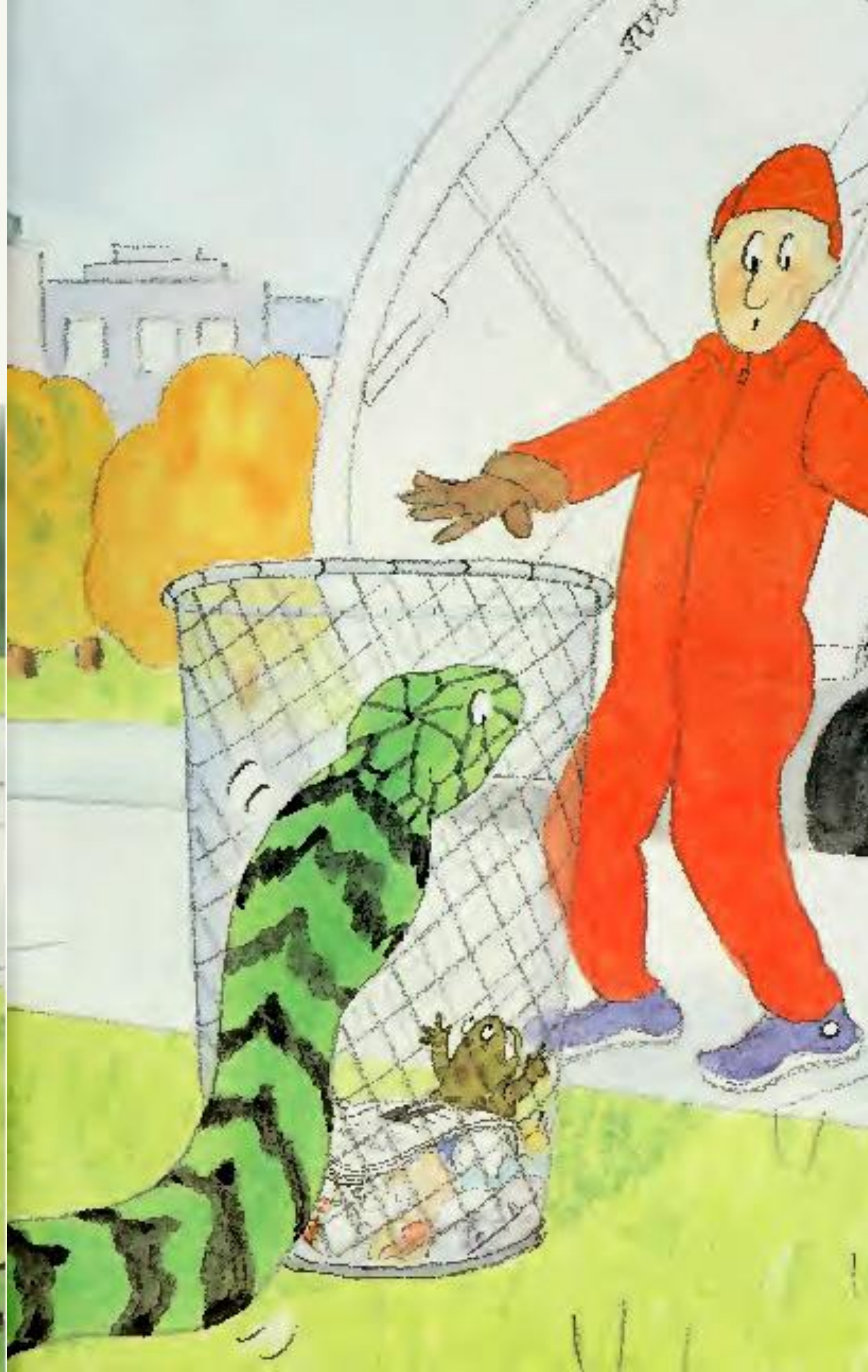

किंग कोबरा कूड़ेदान में रेंगकर पहुंचा और उसने मैक्सी को बाहर निकाला.

सांप, मैक्सी को एक सुरक्षित स्थान पर ले गया.

"धन्यवाद, किंग कोबरा," मैक्सी ने कहा.

"कोई बात नहीं," सांप ने कहा.

"अब शायद तुम मेरी कुछ मदद कर सकती हो."

"ज़रूर!" मैक्सी और मिराबेल ने कहा.

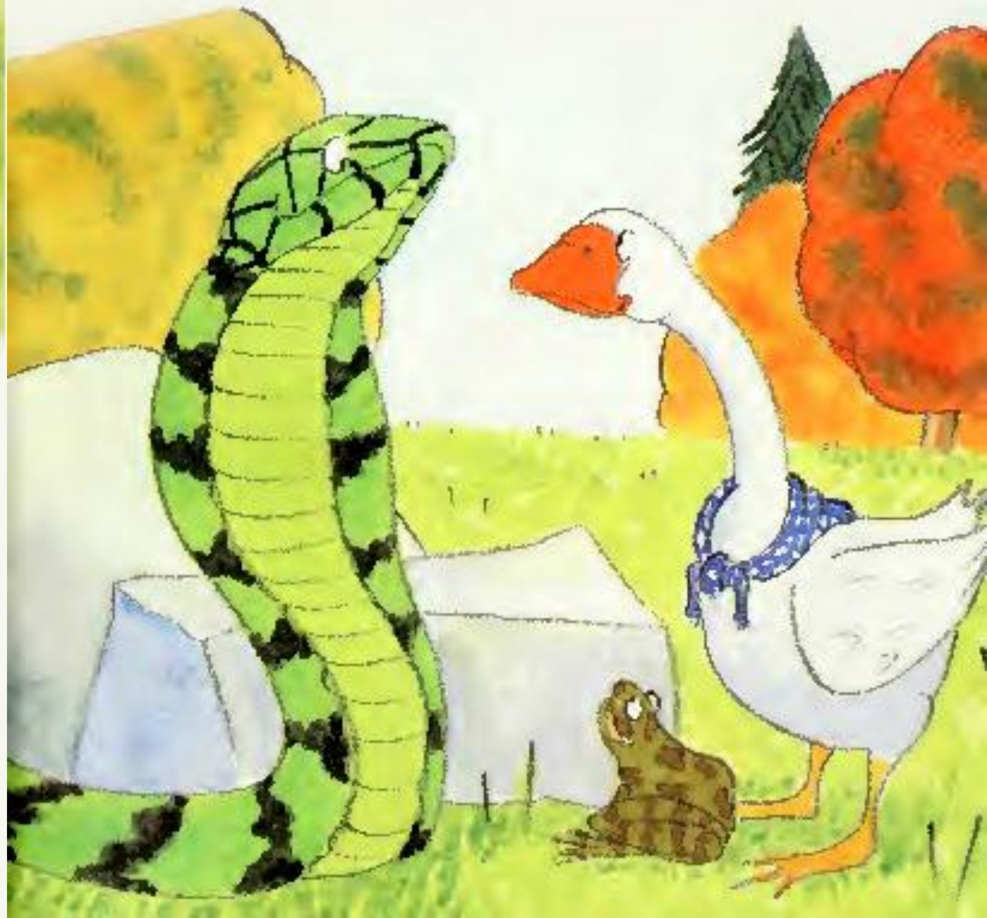

"क्या तुम मुझे बंदरगाह पहुँचने का रास्ता बता सकती हो?" सांप ने पूछा.

"मैं अपने देश भारत जाने के लिए एक जहाज़ पकड़ना चाहता हूँ."

"हम आपको वहां ज़रूर ले जाएंगे," मैक्सी ने कहा. "आप हमारे पीछे-पीछे चलें."

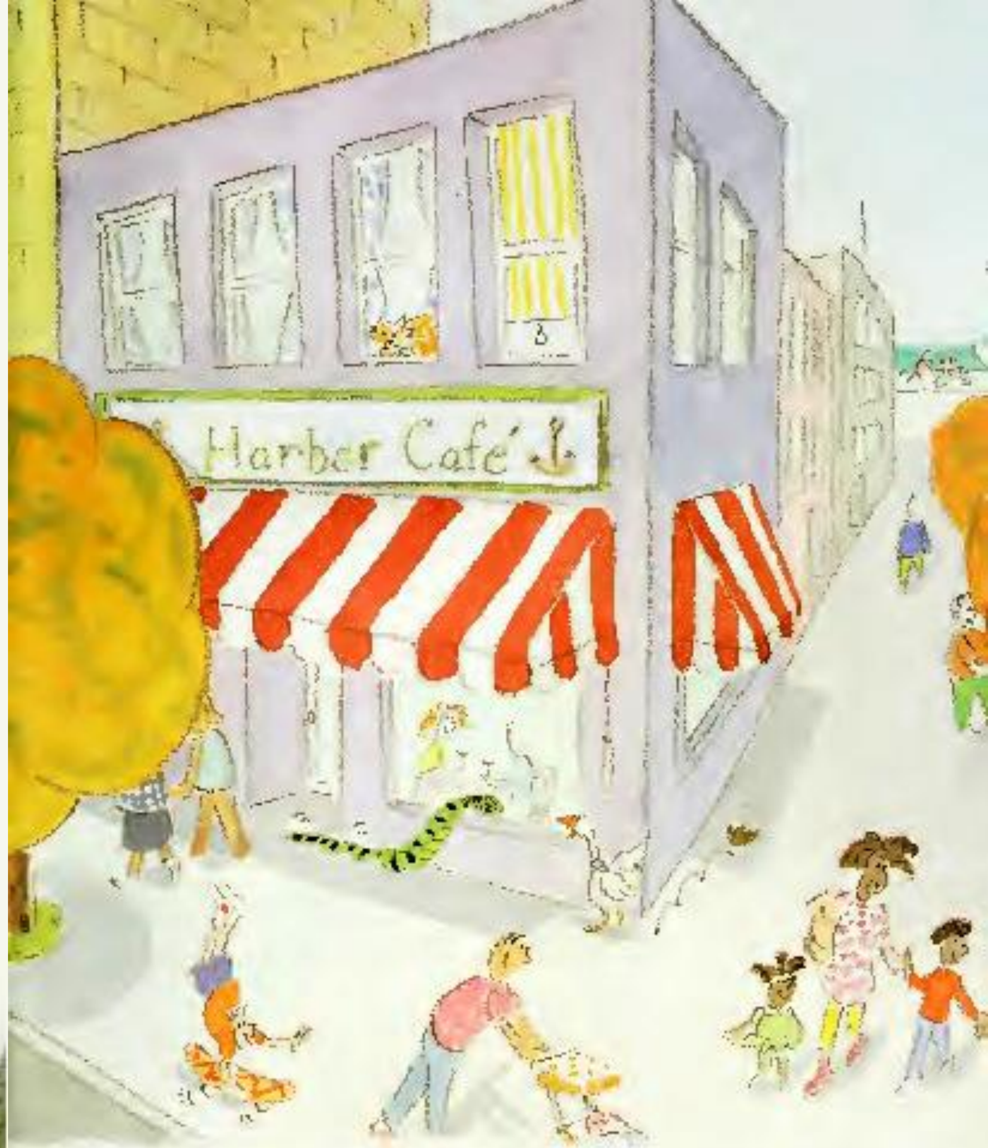

मिराबेल और मैक्सी, सांप को बंदरगाह तक ले गईं.

एक चूहे ने उन्हें भारत जाने वाला जहाज़ दिखाया.

"आपकी यात्रा सुरक्षित हो." मैक्सी ने कहा.

"धन्यवाद," सांप ने कहा, "और आईन्दा से कूड़ेदान से बाहर ही रहना."

"मैं वो बात ज़रूर याद रखूंगी," मैक्सी ने कहा.

"गुड-लक!" मैक्सी और मिराबेल ने कहा और तभी किंग कोबरा रेंगकर जहाज़ पर चढ़ गया.

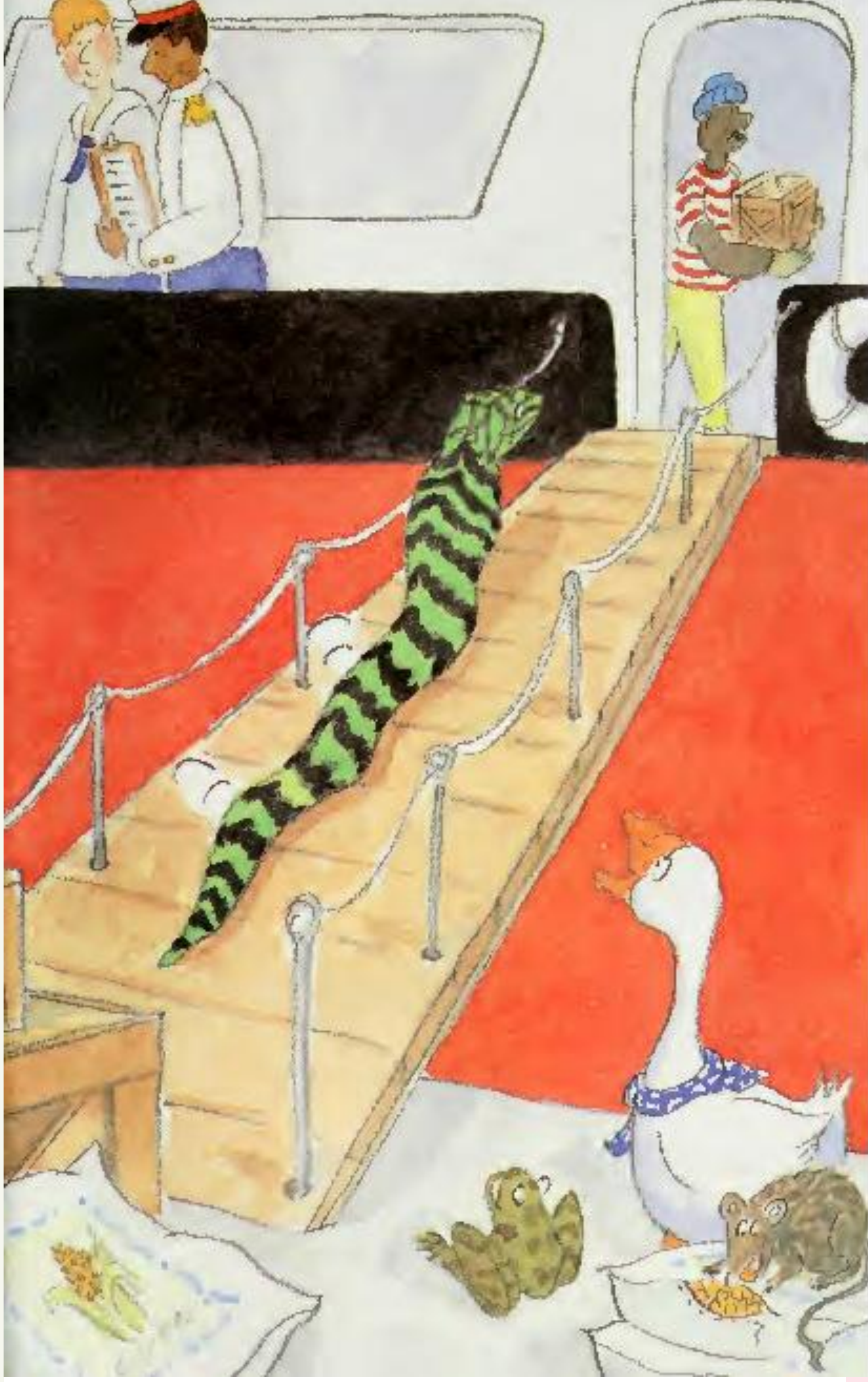

"मुझे आशा है कि हम एक दिन किंग कोबरा से दुबारा फिर मिलेंगे," मैक्सी ने कहा.

"मैं भी यही उम्मीद करती हूँ," मिराबेल ने कहा.

और जब जहाज समुद्र में तैरने लगा तब दोनों मित्रों ने अपने हाथ हिलाकर उसे अलविदा कहा.

समाप्त